संख्या 1140/77-6-2009/-19-M/09

प्रेषक,
अतुल कुमार गुप्ता,
मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,
समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
समस्त औद्योगिक विकास प्राधिकरण।

औद्योगिक विकास अनुभाग-6 लखनऊ:दिनांक 24 जून, 2009

विषयः प्रदेश में निजी पूँजी निवेश आकृष्ट करने हेतु उपयुक्त वातावरण सृजित किया जाना।

महोदय,

प्रदेश के आर्थिक विकास में पूँजी निवेश की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है जिसकी पूर्ति सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र द्वारा सम्मिलित रूप से की जाती है। सार्वजनिक क्षेत्र में निवेश बजट के माध्यम से सरकारी विभाग करते हैं तथा इस दिशा में सम्बन्धित सरकारी विभागों द्वारा प्रयास भी किया जा रहा है परन्तु निजी निवेश कदाचित कारणों से समुचित मात्रा में प्रदेश में नहीं हो पा रहा है। इस सम्बंध में नियोजन विभाग द्वारा ११वीं पंचवर्षीय योजना में उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में निजी क्षेत्र में रू.574932 करोड़ का निवेश अनुमानित किया गया था। इस प्रकार निजी क्षेत्र में औसतन रू.114986.40 करोड़ प्रतिवर्ष का निजी पूँजी निवेश होना चाहिए। इस औसतन लक्ष्य के सापेक्ष 11वीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम दो वर्षों में कुल निजी पूँजी निवेश काफी कम हुआ है।

स्पष्ट है कि निजी क्षेत्र में पर्याप्त पूँजी निवेश प्रदेश में आकृष्ट नहीं हो रहा है जिससे विकास की गति बाधित हो रही है। अतः यह नितान्त आवश्यक है कि पूँजी निवेश से सम्बन्धित सभी क्षेत्रों यथा औद्योगिक, अवस्थापना एवं सेवा क्षेत्र से सम्बन्धित सभी विभागों को चिन्हित किया जाए और वर्ष २००९-१० के लिए निजी पूँजी को आकर्षित करने हेतु उनके लक्ष्य निर्धारित किये जायें। इस सम्बन्ध में क्षेत्रवार विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं का वर्गीकरण निम्नवत् किया गया है :-

क- <u>अवस्थापना एवं औद्योगिक क्षेत्र-</u>
लघु उद्योग (सूचना प्रौद्योगिकी एवं खादी एवं ग्रामोद्योग को जोड़कर), नोएडा एथॉरिटी, ग्रेटर नोएडा एथॉरिटी, यूपिडा (गंगा एक्सप्रेस-वे), यमुना एक्सप्रेस-वे, बीडा, सीडा, गीडा, लीडा।

ख- <u>सेवा क्षेत्र-</u>
बेसिक शिक्षा, माध्यामिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्राविधिक एवं व्यवसायिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवहन, उड्डयन, लोक निर्माण विभाग (उपशा सहित), पर्यटन एवं संस्कृति, आवास एवं शहरी नियोजन, नगर विकास विभाग, ऊर्जा, सिंचाई (लघु एवं मुख्य सिंचाई)।

निजी निवेश की भावी सम्भावनाओं के दृष्टिगत उपरोक्त सूची में समय-समय पर अन्य विभागों को भी सम्मिलित किया जायेगा।

प्रदेश में वर्ष 2009–10 में निजी पूँजी निवेश हेतु निम्नानुसार लक्ष्य निर्धारित किये जाते हैं :-

क्रमांक	विभाग का नाम/प्राधिकरण	निजी पूँजी निवेश का लक्ष्य
		(रूपये करोड़ में)
1	लघु उद्योग (सूचना प्रौद्योगिकी एवं खादी एवं ग्रामोद्योग को जोड़कर)	2500
2	नोएडा एथॉरिटी	1000
3	ग्रेटर नोएडा एथॉरिटी	4000
4	यूपिडा (गंगा एक्सप्रेस-वे)	3000
5	यमुना एक्सप्रेस-वे	2000
6	बीडा	7
7	सीडा	36
8	गीडा	139
9	यू.पी.एस.आई.डी.सी.	1000
10	बेसिक शिक्षा	2500
11	माध्यामिक शिक्षा	2500
12	उच्च शिक्षा	2500
13	प्राविधिक एवं व्यवसायिक शिक्षा,	2500
14	चिकित्सा शिक्षा	1000
15	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य	2000
16	परिवहन	2400
17	लोक निर्माण विभाग (उपशा सहित)	1000
18	पर्यटन एवं संस्कृति	500
19	आवास एवं शहरी नियोजन	10,000
20	नगर विकास विभाग	5000
21	ऊर्जा	4300
22	सिंचाई (लघु एवं मुख्य सिंचाई)	1000
	कुल योग	50882

सभी संबन्धित विभाग/औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रदेश में निजी पूँजी निवेश आकर्षिक करने हेतु उत्तरदायी होंगे। कृपया इस संबंध में समस्त संबन्धित विभाग/ औद्योगिक विकास प्राधिकरण उचित कार्ययोजना एवं नीति बनाकर समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(अतुल कुमार गुप्ता)
मुख्य सचिव

संख्या 1140(1)/77–6–2009–19-M/09/ तद्दिनांक :

प्रतिलिपि : निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. औद्योगिक विकास विभाग के समस्त निगम/औद्योगिक विकास प्राधिकरण।
2. आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उ०प्र०।
3. औद्योगिक विकास विभाग के समस्त विशेष सचिव, उप सचिव, अनुसचिव एवं समस्त अनुभाग।
4. अधिशासी निदेशक, उद्योग बन्धु, लखनऊ।
5. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(वी० एन० गर्ग)
प्रमुख सचिव